भाकृअनुप–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान
जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर – 208 002
(उत्तर प्रदेश)
An ISO 9001:2015 Certified

(O) : (0512) 2533560, 2554746
Fax : (0512) 2533560, 2554746
Website : http://atarik.res.in
E-mail : zpdicarkanpur@gmail.com

दि. 25–08–2020

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा प्रोजेक्ट की समीक्षा कार्यशाला

भाकृअनुप–अटारी जोन–3 कानपुर द्वारा आज दि. 25–08–2020 को ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (डामू) प्रोजेक्ट के 17 कृषि विज्ञान केन्द्रों की समीक्षा बैठक का अयोजन किया गया। इस अवसर पर डा. के.के. सिंह, प्रमुख, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अपने विचार रखे उन्होंने कहा कि ग्रामीण कृषि मौसम सेवा के क्षेत्र में अनेक अवसर के साथ अनेक चुनौतियाँ भी हैं। कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से मौसम संबंधी सलाह समय से मिल जाने से किसानों को लाभ पहुँच रहा है। प्रत्येक D.A.M.U. केन्द्र पर ए.डब्लू.एस. स्थापित की कार्यवाही शुरु हो चुकी है। अल्पकालिक, मध्यमकालिक मौसम पूर्वानुमान की जानकारी किसानों को दी जा रही है। केवीके कृषि संबंधित सलाह बना रहे हैं जिससे कृषि में होने वाले व्यय को कम किया जा सकता है। कृषि संबंधित सलाह किसानों तक पहुँचानें में 'मेघ दूत' एप्प अति उपयोगी है जिसे भारतीय मौसम विभाग द्वारा तैयार किया गया है। आकाशीय बिजली की चेतावनी हेतु 'दामिनी' एप्प भी बहुत उपयोगी है। मौसम संबंधित सलाह क साथ बिजली गिरने की जानकारी पहले ही मिल जाने से दुर्घटना से बचाव होता है। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा से संबंधित बुलेटिन का डिजिटलाइजेशन किया जाना है। रिमोट सेंसिंग से संबंधित प्रशिक्षण, फसल सेमुलेशन माड्यूल आदि पर कार्य हो रहा है। केवीके द्वारा व्हाट्सप के माध्यम से मौसम भविष्यवाणी किसानों तक सबसे सुगमता और तेजी से पहुँचती है। लाइन विभाग को जोड़ने हेतु संसाधनों का प्रयोग हो रहा है। जून माह के प्रारम्भ से जल संसाधन एवं आपदा जोखिम मूल्यांकन हेतु कार्य हो रहा है।

इस अवसर पर वैज्ञानिक डा0 रंजीत सिंह ने कहा कि मौसम भविष्यवाणी बुलेटिन हर गाँव तक पहुँचनी चाहिए। एग्रो एडवाइजरी को 2 सेट में विभाजित किया जाए। आधा

जिला कवर होगा एवं आधा नहीं होगा। व्हाट्सैप ग्रुप के माध्यम से समार्ट फोन के माध्यम से ब्लाक वाइस ग्रुप बनाकर एडवाइजरी पहुँचाई जाये, राज्य के लाइन डिपार्टमेन्ट की मदद से मौसम संबंधित जानकारी के प्रसार में सहायता मिल सकती है। ए.डी.ओ./टी.ए. को रखा जाये। आर्थिक विश्लेषण के आधार पर सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं।

इस अवसर पर डा. पी आदिगुरु, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप–नई दिल्ली ने अपने विचार रखते हुए कहा कि केवीके साझेदारी के माध्यम से कार्य कर रहे हैं।

आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौ. विवि. अयोध्या के कुलपति डा. बी सिंह ने कहा कि ग्रामीण कृषि मौसम सेवा का बहुत अधिक महत्व है। सापेक्षिक आर्द्रता, तापमान, पवन वेग, सूर्य का प्रकाश, फसल परिवर्तन आदि का मौसम भविष्यवाणी के क्षेत्र में काफी महत्व है। हमें एडवाइजरी की सटीकता और बढ़ानी होगी। डामू प्रोजेक्ट के दूसरे चरण में 37 जिले और आ रहे हैं। बीज बैंक बनाकर बेहतर प्रजाति के बीज उपलब्ध कराने हैं। यह पूर्वी उत्तर प्रदेश में अधिक उपयोगी होगा।

कार्यशाला में चर्चा में सहमति बनी की केवीके के माध्यम से जो कार्य ब्लाक लेवल पर हो रहे हैं वो भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की वेबसाइट पर अपलोड नहीं हो रहे हैं। अतः उनको नियमित रूप से वेबसाइट पर अपलोड कराना चाहिए। साथ ही सफलता की कहानी कृषक समूह अथवा गाँव पर आधारित हो तथा उसे भी भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की वेबसाइट पर अपलोड करा जाए। 'मेघ दूत' तथा 'दामिनी' एप को अधिक से अधिक किसानों तक पहुँचाया जाए।

कार्यशाला में सी.एस.ए. विवि. कानपुर के निदेशक प्रसार डा. धूम सिंह, एन.डी.यू. अयोध्या के निदेशक प्रसार डा. ए.पी. राव, अटारी जोन–3 कानपुर के निदेशक डा अतर सिंह, प्रधान वैज्ञानिक डा. राघवेन्द्र सिंह आदि उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र के बाद कृषि विज्ञान केन्द्रों ने गतवर्ष के क्रियाकलाप एवं आगामी वर्ष हेतु कार्ययोजना प्रस्तुत की। अन्त में प्रधान वैज्ञानिक डा. शान्तनु कुमार दुबे ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

meet.google.com/hci-hrto-omj
Dr. Ankit Tiwari and 21 more
10:26 AM
You
Ankita Negi
Dr. Anil Pratap Rao
Ranjeet Singh
Dr. Bijendra Singh, VC, ANDUAT, Ayodhya
PANKAJ JAISWAL
D
endra Verma has left the meeting
DIRECTOR EDUCATION EXTENSION
kamalesh kumar singh
Raghwendra Singh
Type here to search